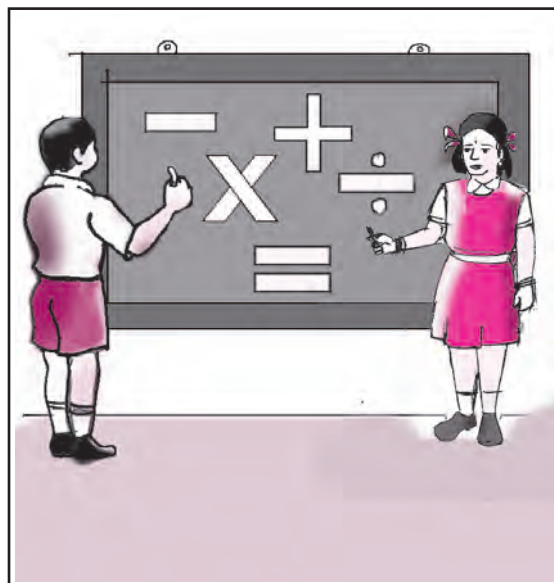
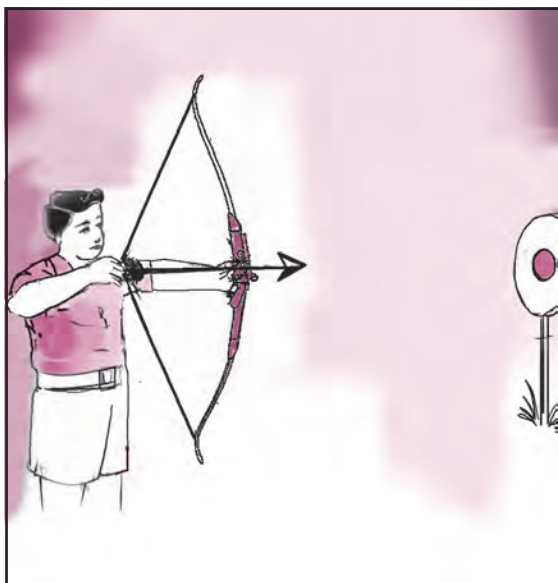


● पहचानो और बताओ :

६. जुड़ें हम



* सुनो और दोहराओ :

मुख्य लक्ष्य पर ध्यान लगाओ ।

प्रह्लाद, विद्या चिह्न बनाओ ।



१. पढ़ो :

पाई हटाकर जुड़ें हम

ग्वाला	पुष्प
गुच्छा	डिब्बा
चप्पल	पत्थर

हल लगाकर जुड़ें हम

सिद्धू	द्वार
लड्डू	खट्टा
बाह्य	वाङ्मय



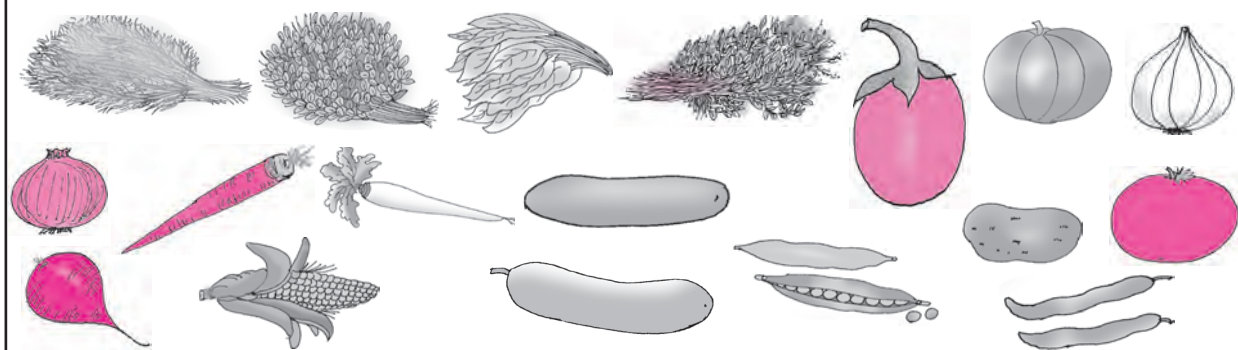
२. मुखर वाचन करो और अनुलेखन करो :

सोआ, मेथी, पालक, चौलाई; हरी सब्जियाँ मन को भाएँ ।

बैंगन, कुम्हड़ा, लहसुन, प्याज; गाजर, मूली बहुत लुभाएँ ।

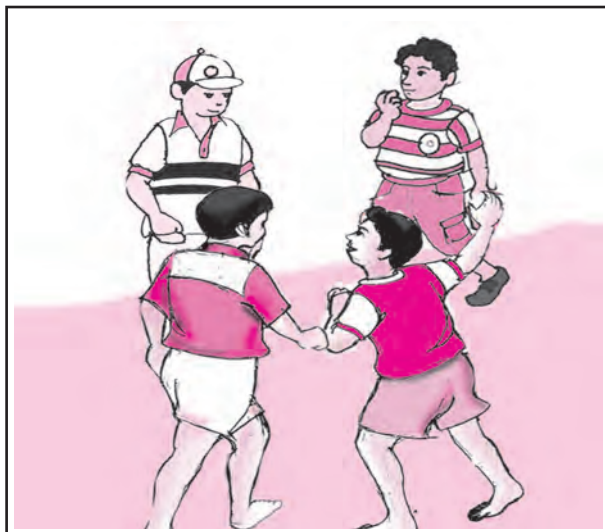
ककड़ी, मटर, आलू लाओ; लाल टमाटर को मित्र बनाओ ।

चुकंदर, भुट्टा, कद्दू खाओ; हर बीमारी को दूर भगाओ ॥



- ❑ अध्यापन करने से पहले पृष्ठ ३२ पर दिए गए अध्यापन संकेत पढ़कर विद्यार्थियों से अभ्यास करवाएँ । चित्रों को पहचानकर सब्जियों के नाम कहलवाएँ । आवश्यकतानुसार सहायता करें । दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं के नाम कहलवाएँ ।

● पहचानो और बताओ :



* सुनो और दोहराओ :

अक्खड़, फक्कड़, गप्फार, उत्तम ।

अग्रसर महाराष्ट्र सर्वोत्तम ।



१. पढ़ो :

आधे होकर जुड़ें हम

मक्खी

सिक्का

रफ्तार

डॉक्टर

शगुफ्ता

मुजप्फार

विभिन्नता से जुड़ें हम

दर्जी

गंधर्व

इंद्रधनुष

चंद्रमा

मेट्रो रेल

महाराष्ट्र



२. मौन वाचन करो और आपस में श्रुतलेखन करो :

१. सेवा डॉक्टर का कर्तव्य है ।

२. पौधे लगाओ, प्रदूषण हटाओ ।

३. राष्ट्रीय संपदा, स्वच्छ रखें सर्वदा ।

४. मक्खी, मच्छर भगाओ, रोग मिटाओ ।

५. रक्तदान-जीवनदान, नेत्रदान-श्रेष्ठ दान ।

६. विश्वास रखो, अंधविश्वास नहीं ।

७. बेईमानी ठुकराओ, ईमानदारी अपनाओ ।

८. इंद्रधनुष के रंगों की तरह मिलकर रहो ।



□ इस पृष्ठ का अध्यापन करने से पहले पृष्ठ ३२ पर दिए गए अध्यापन संकेत पढ़कर विद्यार्थियों से अभ्यास करवाएँ । सुविचारों को समझाएँ और इसी प्रकार के सुविचारों और सुवचनों का संग्रह करवाएँ । दैनिक व्यवहार में इनका प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें । इंद्रधनुष के रंगों के नाम कहलवाएँ और रंगों की सूची बनवाएँ । विद्यार्थियों से रंगों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की जोड़ियाँ मिलवाएँ ।